हर हर शम्भू भोलेनाथ | By Bikram Kalikotay

हर हर शम्भू भोलेनाथ
नाथो के तुम ही हो नाथ
आया शरण में तेरी बढ़के
थाम लो ये मेरे हाथ

हे कैलाशी तुम अविनाशी
निर्भर जग तुझपे सारा
सन्यासी मरघट के वासी
तू ही है शिव ओमकारा
कण कण में है तू ही समाहित
तुझसे कायनात
हर हर शम्भू भोलेनाथ
नाथो के तुम ही हो नाथ

दिव्य रूप अलौकिक गाये
ब्रह्माण्ड गुणगान तेरा
तू ही सत्य है तू ही सुन्दर
तुझपे मोहित मन मेरा
हे वरदानी मुझ निर्बल के
रहना सदा ही साथ
हर हर शम्भू भोलेनाथ
नाथो के तुम ही हो नाथ

जिसने तेरा ध्यान किया
भोले ने उसको तारा
जग कल्याणी तेरी जटा से
बहती पावन गैंग धारा
खड़ा है सन्मुख तेरे कुंदन
सुनले मेरी बात

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%b0-%e0%a4%b9%e0%a4%b0-%e0%a4%b6%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%ad%e0%a5%82-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-by-bikram-kalikotay/